

प्रेषक,

एल.एन. पन्त,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1-मुख्य नगर अधिकारी
नगर निगम, देहरादून।
2-मुख्य नगर अधिकारी/ अधिशासी अधिकारी,
नगर निगम-हरिद्वार, हल्द्वानी, रुद्रपुर, रुड़की, काशीपुर,
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून:: दिनांक: 20 मई, 2013

विषय:-तृतीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार नगर निगमों को वित्तीय वर्ष 2013-14 की प्रथम त्रैमासिक किश्त का तदर्थ रूप से अन्तरण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तृतीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार 06 नगर निगमों को संलग्न विवरणानुसार वित्तीय वर्ष 2013-14 की प्रथम त्रैमासिक किश्त हेतु तदर्थ आधार पर देय धनराशि में से कॉलम-5 में इंगित धनराशि की कटौती पेंशन निधि हेतु करते हुये कॉलम-6 में निकाय के सम्मुख इंगित कुल धनराशि **₹248488000.00 (₹ चौबीस करोड़ चौरासी लाख अठ्ठासी हजार मात्र)** अंतरित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अंतरित की जा रही है:-

(1) अंतरित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं0-388/XXVII/(1)/2012, दिनांक 23 जुलाई, 2012 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(2) नगर विकास विभाग अंतरित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि की बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(3) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निकायों को आवंटित धनराशि के समय से उपयोग हेतु उत्तरदायी होंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

(5) शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2012-13 में देय धनराशि के अनुसार ही तदर्थ रूप से वित्तीय वर्ष 2013-14 की प्रथम त्रैमासिक किश्त हेतु धनराशि अंतरित की जा रही है। वर्ष 2013-14 की बढ़ी हुई धनराशि आयोग के प्रतिवेदन के प्रस्तर-8.20 की अनुपालन आख्या प्राप्त होने पर ही देय होगी।

(6) शहरी स्थानीय निकायों को द्वितीय त्रैमासिक किश्त की धनराशि तभी अवमुक्त की जायेगी जब उनके द्वारा उपरोक्त बिन्दु 5 पर अनुपालन आख्या उपलब्ध करा दी जायेगी।

(7) यदि निर्धारित तिथी तक उपरोक्त वांछित/ उपयोगी सूचनायें उपलब्ध नहीं करायी जाती हैं और इन सूचनाओं के अभाव में निकायों को द्वितीय किश्त अवमुक्त करने में विलम्ब होता है, तो इसके लिये सम्बन्धित निकाय तथा शहरी विकास विभाग उत्तरदायी होगा।

(8) सम्बन्धित निकाय की अलोटमेन्ट आईडी संलग्न है।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-191-नगर निगम-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

आज्ञा से,



(एल.एन. पन्त)

अपर सचिव, वित्त।

संख्या-374(1)/XXVII(1)/2013, तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल/ कुमायूँ मण्डल।
- 3- सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- जिलाधिकारी, जनपद- देहरादून/हरिद्वार/ नैनीताल/ ऊधमसिंह नगर
- 5- निदेशक, वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निदेशक, शहरी विकास विभाग, देहरादून।
- 7- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- निदेशक, लेखा एवं हकदारी, 23-लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 9- सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/ कोषाधिकारी.....।
- 10- एन0आई0सी0सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,



(एल.एन. पन्त)

अपर सचिव, वित्त।

शासनादेश संख्या: 374 / XXVII(1) / 2013

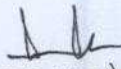
दिनांक: 20 मई, 2013

तृतीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के कम में नगर निगमों को वित्तीय वर्ष 2013-14 की प्रथम त्रैमास हेतु तदर्थ आधार पर प्रथम किश्त का अंतरण

(धनराशि ₹ हजार में)

क0 सं0	जनपद	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	तदर्थ आधार पर प्रथम किश्त हेतु देय अंतरण	पेंशन निधि हेतु कटौती का अंश (1%)	प्रथम त्रैमास हेतु तदर्थ आधार पर अवमुक्त अंतरण
1	2	3	4	5	6
नगर निगम					
1-	देहरादून	1-देहरादून	88317	883	87434
		योग	88317	883	87434
2-	हरिद्वार	2-हरिद्वार	42184	422	41762
		3-रूड़की	33180	332	32848
		योग	75364	754	74610
3-	नैनीताल	4-हल्द्वानी	28247	282	27965
		योग	28247	282	27965
4-	ऊधमसिंह नगर	5-काशीपुर	28803	288	28515
		6-रूद्रपुर	30267	303	29964
		योग	59070	591	58479
		महायोग	250998	2510	248488

(रुचौबीस करोड़ चौरासी लाख अट्ठासी हजार मात्र)


(एल.एन. पन्त)

अपर सचिव, वित्त।